संख्या-28/2016-620/चौदह-4-2016-500(54)/2014 टीसी

प्रेषक,

मो0 जुनीद,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।

वन एवं वन्य जीव अनुभाग- 4 **लखनऊ दिनांक, 31 मार्च, 2016**

विषय: वित्तीय वर्ष-2015-16 में केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित आयोजनागत योजना-प्रोजेक्ट टाइगर के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा फण्डिंग पैटर्न में परिवर्तन किये जाने के फलस्वरूप भारत सरकार द्वारा **दुधवा टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार तथा अमानगढ़ टाइगर रिजर्व** के लिये अवमुक्त/रिवैलिडेटेड केन्द्रीय सहायता के उपयोग हेतु अतिरिक्त धनराशि रू0 39.24 लाख की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर अपर प्रमुख वन संरक्षक, सामाजिक एवं कृषि वानिकी, उ0प्र0 के पत्र सं0-पी-955/36-टी-15(प्रो0टा0) दिनांक 15 फरवरी, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-2/2015/बी-1-925/दस-2015-231/2015 दिनांक 30 मार्च, 2015 में निहित निर्देशों एवं प्रतिबन्धों के अधीन वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए अनुदान संख्य–60 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत प्रोजेक्ट टाइगर के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा फण्डिंग पैटर्न में परिवर्तन किये जाने के फलस्वरूप **दुधवा टाइगर रिजर्व,कतर्नियाघाट वन्य जीव विहार तथा अमानगढ़ टाइगर रिजर्व** के लिये अवमुक्त/रिवैलिडेटेड केन्द्रीय सहायता के उपयोग हेतु वित्त विभाग के आदेश सं0-758 दिनांक 30 मार्च, 2016 द्वारा स्वीकृत पुनर्विनियोग तथा पुनर्विनियोजित आदेश सं0-620ए/14-4-2016-500(54)/2014 टीसी दिनांक 31 मार्च, 2016 (छायाप्रति संलग्न) से पुनर्विनियोजित धनरनाशि रू0 39.24 लाख (रू0 उन्तालीस लाख चौबीस हजार मात्र) की स्वीकृति निम्न लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत निम्न शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक	**धनराशि (रू0 हजार में)**
अनुदान संख्या-60	
राजस्व लेखा-	
2406-वानिकी तथा वन्य जीव-आयोजनागत-	
02-पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीव-	
110-वन्य जीव परिरक्षण-	
01-केन्द्र प्रायोजित योजनाएं-	
0128-प्रोजेक्ट टाइगर-	
02-मजदूरी	2746
योग:-0128	**2746**
0129-प्रोजेक्ट टाइगर (सी0सी0एल0 प्रणाली)	
29-अनुरक्षण	554
42-अन्य व्यय	241
योग:-0129	**795**
योग:-राजस्व लेखा	**3541**

http://shasanadesh.up.nic.in

http://shasanadesh.up.nic.in

पूंजी लेखा-	
4406-वानिकी तथा वन्य जीव पर परिव्यय-आयोजनागत-	
02-पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीव-	
110-वन्य जीव-	
01-केन्द्र प्रायोजित योजनाएं-	
0101-प्रोजेक्ट टाइगर (सी0सी0एल0 प्रणाली)-	
24-वृहत निर्माण कार्य	383
योग:-पूंजी लेखा	**383**
कुल योग:-	**3924**

(रू0 उन्तालीस लाख चौबीस हजार मात्र)

1- उक्त धनराशियों का आवंटन स्वयं में व्यय का अधिकार नहीं देता, अत: जिस व्यय के संबंध में वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत नियमावलियों में अथवा शासन के वर्तमान आदेशों के अनुसार शासन के अथवा अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति/सहमति लिया जाना अपेक्षित हो, उसे व्यय करने से पूर्व अनिवार्यत: प्राप्त किया जाय। वस्तुओं का क्रय स्टोर परचेज एवं वित्तीय नियमों के अधीन किया जाय। योजनान्तर्गत वाहनों के क्रय के पूर्व शासन का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा। व्यय करते समय मितव्ययिता के संबंध में वित्त विभाग द्वारा जारी शासनादेश सं0-सी0ए0 1132/दस-2004-मित-1/2004 दिनांक 7.1.2005 तथा शासनादेश सं0-सी0ए0 1191/दस-2009-मित-1/2007 दिनांक 26.10.2009 एवं इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- इस धनराशि का उपयोग वित्तीय वर्ष 2015-16 में स्वीकृत तथा चालू योजनाओं पर ही किया जाय और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग नयी मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जाय।

3- भारत सरकार द्वारा केन्द्र पुरोनिधानित योजनाओं में अनुमोदित वाहन, उपकरण आदि का क्रय स्टोर एवं परचेज नियमों के अनुसार किया जायेगा तथा क्रय से पूर्व शासन अथवा सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जाय।

4- भारत सरकार द्वारा अवमुक्त केन्द्रांश से कराये जाने वाले भवन आदि के निर्माण कार्यों के विस्तृत आगणन प्राप्त कर उनका सक्षम स्तर द्वारा अनुमोदन प्राप्त कर ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।

5- भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रीय सहायता के उपयोगिता प्रमाण पत्र यथासमय भारत सरकार तथा शासन को उपलब्ध कराये जायेंगे तथा भारत सरकार को प्रेषित केन्द्रीय सहायता के अनुसार भारत सरकार से केन्द्रीय सहायता प्राप्त किये जाने हेतु प्रभावी अनुश्रवण किया जाय जिससे केन्द्रीय सहायता वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही प्राप्त हो जाय।

6- व्यय को निर्धारित मानकों के अनुसार सुनिश्चित किये जाने हेतु एक समय-सारिणी निश्चित कर दी जाय तथा प्रत्येक माह की समाप्ति पर व्यय की प्रगति का प्रभावी अनुश्रवण किया जाय।

7- अवमुक्त धनराशि को समय से योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साख-सीमा अवमुक्त किये जाने की समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय ताकि धनराशि समय पर उपलब्ध रहे।

http://shasanadesh.up.nic.in

8- स्वीकृत धनराशि का व्यय अपर प्रमुख वन संरक्षक, सामाजिक एवं कृषि वानिकी, उ0प्र0 के

3/-

उक्त सन्दर्भित पत्र सं0-पी955 -/36-टी-15(प्रो0टा0) दिनांक 15 फरवरी, 2016 में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित/उल्लिखित कार्यमदों के अन्तर्गत ही किया जायेगा।

9- यह आदेश वित्त 1-अनुभाग (यकव्य-आय)के कार्यालय ज्ञाप संख्या-दस/925-1-बी/2015/2-2015/231-2015दिनांक,मार्च30, में प्रशासनिक विभाग को प्रतिनिधानित अधिकारों के 2016 र्गत जाअन्तरी किया जा रहा है।

भवदीय,

(मो0 जुनीद)
संयुक्त सचिव

संख्या-620(1)/चौदह-4-2016-500(54)/2014 तदिदनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), प्रथम/,दिवतीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- महालेखाकार दिवतीय उ0प्र0 केन्द्रीय भवन, अलीगंज, लखनऊ।
3- प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
4- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, सामाजिक वानिकी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
5- वित्त नियंत्रक, कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक, उ0प्र0, लखनऊ।
6- निदेशक दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर खीरी।
7- प्रभागीय वनाधिकारी, कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग, बहराइच।
8- प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग,बिजनौर।
9- वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7
10- वित्त संसाधन (केन्द्रीय सहायता) अनुभाग
11- नियोजन अनुभाग-3
12- अनुभागीय आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,

(मो0 जुनीद)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

http://shasanadesh.up.nic.in